संस्कारों से होता है समाज का उत्थान

संस्कारों से होता है समाज का उत्थान

तेरापंथ युवक परिषद की संघीय संस्कार कार्यशाला हुई

भास्कर न्यूज त्नबीकानेर

Enlarge Image

संस्कारवान युवा पीढ़ी समाज और अपने नगर सहित देश का नाम गौरवांवित कर सकेगी। संस्कारों का समाज उत्थान में विशेष महत्व है। ऐसे और देश-समाज हित के संदेश के साथ तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में संभागीय संघीय संस्कार कार्यशाला का आयोजन हुआ।

मुनि राजकरण जी और मुनि नगराज जी के सान्निध्य में तेरापंथ भवन में हुई कार्यशाला के चार सत्रों में संभाग के 265 सदस्यों ने भाग लिया। मुनिश्री सहित वक्ताओं ने संस्कारों का महत्व बताया। भावी पीढ़ी के लिए सेवा-संस्कार-संगठन और तेयुप संघ के सिद्धांतों का महत्व मुनिवृंद सहित मुख्य वक्ता उपासक निर्मल नवलखा, पन्नालाल पुगलिया, मुनि शांतिकुमार जी, मुनि मुनिव्रत जी , मुनि श्रेयांसकुमार जी, मुनि पीयूष कुमार जी , साध्वी रेखा जी ने बताया। मनोज छाजेड़ ने मंगलाचरण किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय खटेड़ सहित प्रफुल्ल बेताला, प्रदीप बोथरा, अनिल सांखला, नवीन बागरेचा, धर्मेंद्र डाकलिया, बजरंग सांड आदि पदाधिकारी सदस्य मौजूद थे।

राजेंद्र बोथरा द्वारा विजय गीत से आरंभ हुए आयोजन में राजेंद्र सेठिया ने पत्र वाचन किया। प्रवीण लालाणी, संतोष बोथरा, संजय चौरडिया, आसकरण पारख, लूणकरण छाजेड़, किशन बैद, हंसराज डागा द्वारा विभिन्न सभा संस्थाओं का स्वागत किया गया। खटेड़ ने तेयुप के उद्देश्य बताए और सदस्यों को जोड़कर संघीय ढांचे में ढालने पर जोर दिया। मनोज सेठिया ने आभार जताया।

संस्कार कार्यशाला को संबोधित करते राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय खटेड़।